Regarding issues pertaining to diamond industry in Surat

SHRI MUKESHKUMAR CHANDRAKAANT DALAL (SURAT): Hon. Chairperson, I thank you for giving me an opportunity to speak in ?Zero Hour?. माननीय सभापति महोदय, जैसा कि पूरा देश जानता है कि सूरत डायमण्ड का हब है and 90 per cent of diamonds are being cut and polished in Surat.

वर्ष 2023 में, हीरे का वैश्विक बाजार में कीमत 94 डॉलर था । वर्ष 2032 तक यह 132 रुपए तक पहुंचने की संभावना है । वर्ष 2022 में, विश्व में 121 बिलियन कैरेट हीरे का उत्पादन हुआ था । लेकिन आज ऐसा लगता है कि सूरत की डायमण्ड इंडस्ट्री को किसी की नज़र लग गयी है ।

The diamond industry in Surat is passing through the worst ever phase in its life. इनकी जो भी चेन थी, वे सारी टूट गई हैं । The industry is basically struggling in market and is more vulnerable to inflationary pressures. इसके कारण बहुत से इंगेजमेंट्स, मैरिजेज टूट गई थीं, वह धीरे-धीरे पटरी पर आ रही थी । लेकिन पूरे विश्व में फिर से युद्ध जैसी परिस्थिति खड़ी होने के कारण प्रोसेसिंग, माइनिंग, कटिंग एंड पॉलिशिंग वैल्यू एडिशन की पूरी साइकल एक बार फिर टूट गई है । इसका नतीजा यह हुआ है कि डायमण्ड इंडस्ट्री एक बार फिर वर्ष 2008 की तरह मंडी के भंवर में फंस गई है । आज हीरे के व्यापारियों के पास हजारों डॉलर हीरे का स्टॉक पड़ा है ।

माननीय सभापति **:** आपकी माँग क्या है?

श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल **(**सूरत**) :** सबसे बड़ी बात यह है कि डायमण्ड इंडस्ट्री में काम करने वाले 20 से 25 लाख वर्कर्स आज अनएम्प्लॉयड हो गये हैं । उनको घर चलाना भी मुश्किल हो गया है । The State Government has set up a high-level committee to review the whole situation under the leadership of two senior Ministers assisted by one senior officer. I request the Government to find out the ways and means to support this diamond industry and diamond workers ताकि वे लोग अपना गुजारा कर सकें और उनकी जो परेशानियाँ हैं, वे दूर हो सकें ।